

विशेष रिपोर्ट अगस्त 2021

काँटन, चना, कैस्टर एवं ग्वार



ध्यान दिए जाने वाले कारक

- गुजरात और महाराष्ट्र में बुवाई की प्रगति
- देश में मौसम का पूर्वानुमान
- अगस्त-सितंबर में मानसून की प्रगति
- सीसीआई और मिलों के पास स्टॉक
- घरेलू बाजार में कपास की मिल की मांग

मुख्य बातें

- इस वर्ष में अभी तक कीमतों में 29.9% वृद्धि हुई है
- इस सीजन में कपास का रकबा 7% कम है।
- 2020/21 में उत्पादन पिछले साल के 360 लाख गांठ की तुलना में घटकर 354.50 लाख गांठ रह गया है
- 2020/21 में कपास का निर्यात 77 लाख गांठ होने का अनुमान
- 2021/22 की शुरुआत में शुरुआती स्टॉक 82.5 लाख गांठ रहने का अनुमान है।

MCX Cotton - Jul-Aug 2021



Source: Reuters & SMC Research

- जुलाई के महीने में एमसीएक्स में काँटन वायदा की कीमतों में 9% से अधिक की उछाल दर्ज की गई और 27,830 रुपये प्रति बेल के रिकॉर्ड उच्च स्तर पहुंच गई। मिल की ओर से अधिक मांग और घरेलू बाजार में कम आपूर्ति के कारण कीमतों में बढ़ोतरी हुई। इसके अलावा, उच्च अंतरराष्ट्रीय कीमतों से भी घरेलू कीमतों को मदद मिली
- कृषि मंत्रालय के अनुमान के मुताबिक, 13 अगस्त तक कपास का रकबा 116.70 लाख हेक्टेयर था जो पिछले साल के 125.48 लाख हेक्टेयर की तुलना में 7.55 लाख हेक्टेयर कम है। कम रकबे का मुख्य कारण देरी से हुई बारिश है।
- भारत में 2021/22 में 29 मिलियन गांठ कपास का उत्पादन होने का अनुमान है, जो पिछले वर्ष की तुलना में 2.5 प्रतिशत (700000 गांठ) अधिक है, क्योंकि 13 मिलियन हेक्टेयर के अपरिवर्तित क्षेत्र के आधार पर 486 किलोग्राम प्रति हेक्टेयर से थोड़ी अधिक उपज की उम्मीद है।
- अंतरराष्ट्रीय बाजार में अधिक कीमतों के कारण भारत को 2020/21 (अक्टूबर-सितंबर) के कपास वर्षों के दौरान देश के बाहर 77 लाख गांठ (प्रत्येक 170 किग्रा) निर्यात करने का अनुमान है।
- मौजूदा कपास सीजन 2020-21 (अक्टूबर 20-सितंबर-21) के दौरान, सीसीआई ने 92 लाख बेल की खरीददारी की है। कपास की मजबूत मांग के कारण अब इसके सभी स्टॉक समाप्त हो गए हैं और केवल 9 लाख गांठ रह गए हैं।

आउटलुक

वर्तमान में देश में कपास की कीमतें अब तक के उच्च स्तर पर कारोबार कर रही हैं और हमें दो प्रमुख कारणों से कीमतों में गिरावट की संभावना है। अधिक कीमतों पर मिलों द्वारा कपास की मांग गिर रही है और दूसरा कारण यह है कि देश में सभी राज्यों में बुवाई की प्रगति अच्छी चल रही है। रिपोर्टों के अनुसार घरेलू मिलों के पास अगले दो महीने की खपत के लिए स्टॉक है और इसलिए कीमतें अधिक होने पर वे कपास की खरीद में धीमी गति से आगे बढ़ सकती हैं। लेकिन अगस्त और सितंबर का महीना कपास के लिए बहुत महत्वपूर्ण होता है क्योंकि इस दौरान फूल लगने शुरू हो जाते हैं जिसपर कीटों के हमले की सबसे अधिक संभावना होती है। बाजार को 26000 के स्तर से ऊपर अच्छी तरह से सपोर्ट रहने की संभावना है और मौसम के प्रतिकूल होने की स्थिति में और अधिक बढ़ने की संभावना है। कीमतों को सपोर्ट और रेजिस्टेंस क्रमशः 25500 और 28000 होगा।

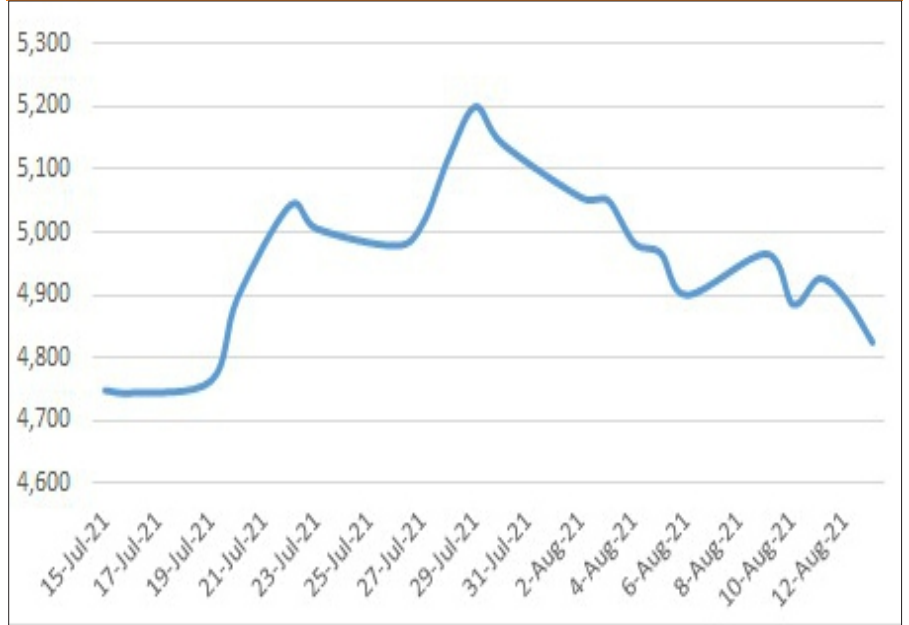
ध्यान दिए जाने वाले कारक

- त्योहार की मांग
- सरकार द्वारा स्टॉक सीमा
- व्यापारियों और आयातकों के पास स्टॉक
- दालों का आयात
- अगस्त-सितंबर में मानसून की प्रगति
- नेफेड की बिक्री मात्रा और कीमत

मुख्य बातें

- इस वर्ष में अभी तक कीमतों में 8.9% वृद्धि हुई है
- पिछले साल उत्पादन 11.9 मिलियन टन था
- चना के आयात पर 60% आयात कर है
- चना पर स्टॉक लिमिट 31 अक्टूबर 2021 तक है।

Chana Futures - Jul-Aug 2021



Source: Reuters & SMC Research

- जुलाई महीने की शुरुआत के दौरान कीमतें 5000 रुपये प्रति 100 किलोग्राम से काफी ऊपर थीं, लेकिन कीमतों को कम करने के लिए सरकार द्वारा लागू की गई स्टॉक सीमा के कारण यह गिरकर 4700 के स्तर पर आ गई। स्टॉक लिमिट में छूट के बाद सभी महत्वपूर्ण हाजिर बाजारों में चना की कीमतों में लगातार बढ़ोतरी हुई और कीमतें 5000 के स्तर से ऊपर पहुंच गई।
- केंद्र सरकार ने 19 जुलाई 21 को जुलाई के पहले सप्ताह में पूर्व में निर्धारित स्टॉक सीमा आदेश में संशोधन किया। स्टॉक सीमा केवल तुअर, उड़द, चना और मसूर पर 31 अक्टूबर 2021 तक की अवधि के लिए लागू होगी। दालों के आयातकों को स्टॉक सीमा से छूट दी गई है।
- थोक व्यापारी, खुदरा विक्रेता और मिल मालिकों के लिए स्टॉक सीमा 500 मीट्रिक टन, 5 मीट्रिक टन और पिछले 6 महीने के उत्पादन या वार्षिक स्थापित क्षमता का 50%, जो भी अधिक हो, होगी। लेकिन आयातकों सहित सभी कानूनी संस्थाएं उपभोक्ता मामलों के विभाग के वेब पोर्टल पर अपने स्टॉक की घोषणा करना जारी रखेंगी।
- 2020/21 के चौथे अग्रिम अनुमान में, कृषि मंत्रालय को चना की फसल लगभग 11.99 मिलियन टन (उज) होने की उम्मीद है। हालांकि, मिल मालिकों का अनुमान है कि फसल नौ मिलियन टन से 9.5 मिलियन टन के बीच होगी, जो पिछले साल के 9.5 मिलियन टन से मामूली कम है।

आउटलुक

व्यापारियों और आयातकों के पास पर्याप्त स्टॉक होने के कारण अगस्त के महीने में चने की कीमतों में थोड़ी कमी रहने की उम्मीद है। इसके अलावा, आयातकों और बड़े व्यापारियों द्वारा स्टॉक की घोषणा देश में स्टॉक पर कड़ी नजर रख रही है। यह प्रावधान सरकार को चने की कीमतों पर नजर रखने में मदद करता है, जो कि बड़ी मांग होने तक ज्यादा उतार-चढ़ाव नहीं कर सकता है। इसलिए, हम उम्मीद करते हैं कि कीमतें 4540 से 5250 के स्तर पर कारोबार करेंगी।

अरंडी बीज(कैस्टर सीड)

ध्यान दिए जाने वाले कारक

- देश में बुवाई की प्रगति
- तेल और मील की निर्यात मांग
- कैरीओवर स्टॉक
- तेल मिल मालिकों के पास स्टॉक
- मानसून की प्रगति

मुख्य बातें

- इस वर्ष में अभी तक कीमतों में 8.9% वृद्धि हुई है
- पिछले साल उत्पादन 29.5% घटा है
- अरंडी के तेल के निर्यात में 17.5% की वृद्धि (जनवरी-जून 2021) हुई है।
- भारत में अरंडी का रकबा 2.89 लाख हेक्टेयर से कम है, जो पिछले साल 13 अगस्त को 3.22 लाख हेक्टेयर था

Castor Futures - Jul-Aug 2021



Source: Reuters & SMC Research

- जुलाई में, अरंडी वायदा की कीमतों में लगभग 10% की बढ़ोतरी हुई, जिसका मुख्य कारण इसके डेरिवेटिव- तेल और मील की लगातार मांग थी। इसके अलावा, देश में वनस्पति तेलों की मांग में रिकॉर्ड वृद्धि के कारण औद्योगिक उपयोगों में अरंडी के तेल की मांग में भी बढ़ोतरी हुई।
- कैलेंडर वर्ष 2021 की पहली छमाही (जनवरी-जून) में भारत का अरंडी तेल निर्यात 17.5% बढ़कर 3.63 लाख टन होने का अनुमान है। जून 2021 में, भारत का अरंडी तेल निर्यात 51% बढ़कर लगभग 81759 टन हो गया, जो एक महीने में सबसे अधिक निर्यात है। सॉल्वेंट एक्सट्रैक्टर्स एसोसिएशन ऑफ इंडिया के आंकड़ों के मुताबिक 2021 की पहली छमाही में कैस्टर मील का निर्यात पिछले साल के 121,954 टन की तुलना में 33% से अधिक बढ़कर 182,639 टन हो गया। जून 2021 में, भारत से अरंडी का निर्यात 45% बढ़कर 30530 टन हो गया, जो कि एक महीने में सबसे अधिक निर्यात है। भारत अरंडी और अरंडी के तेल का दुनिया का सबसे बड़ा उत्पादक है। चीन प्रमुख खरीदार होने के साथ विश्व स्तर पर लगभग 90 प्रतिशत तेल का निर्यात करता है।
- एसईए के अनुसार, इस सीजन (जुलाई 2020-जून 2021) में अरंडी का उत्पादन 4.45 लाख टन या 29.5% घटकर 15.10 लाख टन रहा, जो पिछले सीजन में रिकॉर्ड 19.55 लाख टन था। इससे 9.58 लाख टन अरंडी के तेल का उत्पादन होगा क्योंकि बीज की पेराई होने पर 49 प्रतिशत तेल प्राप्त होता है।
- मुख्य उत्पादक राज्य गुजरात में 9 अगस्त तक अरंडी की बुआई 6.4 लाख हेक्टेयर के सामान्य बुवाई क्षेत्र के केवल 33% भाग में हुई है। लेकिन रकबा पिछले साल के रकबे की तुलना में अधिक है। गुजरात में किसानों ने 2.16 लाख हेक्टेयर में अरंडी की बुवाई की, जबकि पिछले साल समान अवधि में लगभग 1.86 लाख हेक्टेयर में बुआई हुई थी। लेकिन भारत में 13 अगस्त तक अरंडी का रकबा 2.89 लाख हेक्टेयर से कम है, जो पिछले साल 13 अगस्त को 3.22 लाख हेक्टेयर था।

आउटलुक

हमें उम्मीद है कि बाकी सीजन में अच्छी मांग बनी रहेगी। अरंडी की कीमत इस साल पिछले साल की कीमतों की तुलना में 25% से भी अधिक है। हमें उम्मीद है कि उद्योगों की ओर से घरेलू मांग और मुख्य रूप से चीन से अरंडी के तेल की खरीद के कारण अगस्त में अरंडी (सितंबर) की कीमतें 6000 के स्तर तक कारोबार करने के लिए बनी रहेंगी। इस साल अधिक कीमतों के प्रमुख उत्पादक क्षेत्रों में बुवाई में वृद्धि की उम्मीद है। लेकिन इसी कारण कीमतों में उछाल पर लगाम लग सकती है। सामान्य मौसून के पूर्वानुमान से भी बुवाई की संभावनाओं को बढ़ावा मिलेगा।

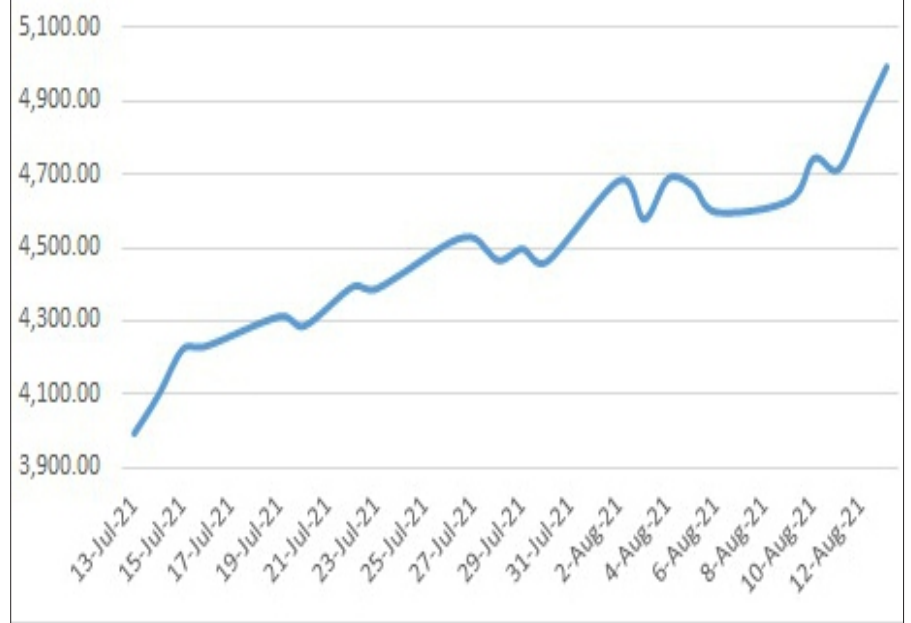
ध्यान दिए जाने वाले कारक

- राजस्थान में बुवाई की प्रगति
- मानसून की प्रगति
- ग्वार गम की निर्यात मांग
- घरेलू बाजार में ग्वार के अन्य उत्पादों की मांग
- कैरीओवर स्टॉक

मुख्य बातें

- इस वर्ष ग्वार सीड की कीमतों में 27.8% की बढ़ोतरी
- पहले बोई गई ग्वार की फसल पानी की कमी दूर होने के साथ ठीक हो रही है, लेकिन उपज में कमी की संभावना
- राजस्थान में ग्वार के रकबे में भारी कमी
- ग्वार के रकबे में लगातार गिरावट के कारण ग्वार सीड के कैरीओवर स्टॉक में साल दर साल गिरावट आ रही है
- सोयाबीन की रिकॉर्ड अधिक कीमतों से बढ़ रही फीड इंडस्ट्री की मांग

Guar Seed Futures - Jul-Aug 2021



Source: Reuters & SMC Research

- जुलाई में ग्वारसीड वायदा कीमतों में लगभग 9% की वृद्धि हुई, जबकि अगस्त के पहले 15 दिनों में यह बढ़कर 12% हो गई और अब सक्रिय ग्वारसीड (सितंबर) कॉन्ट्रैक्ट की कीमतें 5000 के स्तर के करीब हैं।
- अधिक स्टॉक और स्थिर कीमतों के कारण राजस्थान में ग्वार का रकबा पिछले कुछ वर्षों में घट रहा है। अब स्टॉक का स्तर कम है और पशु चारा के लिए ग्वार सीड के डेरिवेटिव चुरी और कोरमा की मांग बढ़ रही है। ग्वारमील का उपयोग पशु आहार के रूप में किया जाता है और स्वाभाविक रूप से प्रोटीन और कार्बोहाइड्रेट से भरपूर होता है। सोयाबीन और इसके मील की कीमतों में हाल ही में उछाल के कारण, चारा उद्योग विकल्पों की तलाश में है।
- चूंकि ग्वार एक कृषि उत्पाद है जो रसायनों या परिरक्षकों के प्रभाव के बिना उगाया जाता है, यह पशु और पोल्ट्री फीड के लिए सबसे अच्छा विकल्प होता है।
- कृषि विभाग के आंकड़ों के अनुसार, मुख्य उत्पादक राज्य राजस्थान में 13 अगस्त तक 18.36 लाख हेक्टेयर में ग्वार की बुवाई की गई है जबकि पिछले साल की समान अवधि में 23.5 लाख हेक्टेयर में बुआई हुई थी। ग्वार की खेती करने वाले जिलों में कम और अनियमित वर्षा के कारण बुआई क्षेत्र लगभग 5 लाख हेक्टेयर कम हो गया है। वर्तमान स्थिति निश्चित रूप से फसल की उपज को प्रभावित करेगी।

आउटलुक

ग्वारसीड की कीमतें पिछले साल की कीमतों की तुलना में 15% बढ़कर कारोबार कर रही हैं। मुख्य रूप से कम कैरी ओवर स्टॉक और ग्वार गम डेरिवेटिव के लिए अच्छी औद्योगिक और फीड मांग के कारण इस वर्ष कीमतों में बढ़ोतरी हुई है। इसके अलावा, राजस्थान के प्रमुख ग्वार क्षेत्रों में अनिश्चित मानसून और शुष्कता के कारण ग्वार के रकबे में लगभग 5 लाख हेक्टेयर की गिरावट हुई है। इससे आने वाले सीजन में ग्वार सीड की पैदावार और गुणवत्ता पर असर पड़ सकता है। आने वाले हफ्तों में ग्वारसीड वायदा (सितंबर) की कीमतें तेजी के रूझान के साथ 5200/5500 के स्तर पर कारोबार कर सकती हैं।

आप इस रिपोर्ट को हमारी वेबसाइट पर भी देख सकते हैं- www.smctradeonline.com



Corporate Office:
11/6B, Shanti Chamber,
Pusa Road, New Delhi - 110005
Tel: +91-11-30111000
www.smcindiaonline.com

Mumbai Office:
Lotus Corporate Park, A Wing 401 / 402, 4th Floor,
Graham Firth Steel Compound, Off Western
Express Highway, Jay Coach Signal, Goreagon
(East) Mumbai - 400063
Tel: 91-22-67341600, Fax: 91-22-67341697

Kolkata Office:
18, Rabindra Sarani, Poddar Court, Gate No-4,
5th Floor, Kolkata-700001
Tel.: 033 6612 7000/033 4058 7000
Fax: 033 6612 7004/033 4058 7004

एसएमसी ग्लोबल सिन्डिकेटिड लिमिटेड (जिसे एसएमसी कहा जाता है) का नियमन भारतीय प्रतिभूति और विनियम बोर्ड द्वारा किया जाता है और इसे ब्रोकिंग व्यवसाय, डिपॉजिटरी सेवाएँ और संबंधित सेवाएँ करने का लाइसेंस प्राप्त है। एसएमसी ग्लोबल सिन्डिकेटिड लिमिटेड नेशनल स्टॉक एक्सचेंज ऑफ इंडिया लिमिटेड, बॉम्बे स्टॉक एक्सचेंज लिमिटेड, एमएसईआई (मेट्रोपॉलिटन स्टॉक एक्सचेंज ऑफ इंडिया लिमिटेड) का रजिस्टर्ड सदस्य है और एम/एस एसएमसी कॉमिट्टी नेशनल कमोडिटी एवं डेरिवेटिव्स एक्सचेंज लिमिटेड और मल्टी कमोडिटी एक्सचेंज ऑफ इंडिया और भारत के अन्य कमोडिटी एक्सचेंजों का रजिस्टर्ड सदस्य है। इसकी सहयोगी एमसीएक्स स्टॉक एक्सचेंज लिमिटेड को सदस्य है। एसएमसी सीडीएसएल (CDSL) और एनएसडीएल (NSDL) के साथ डिपॉजिटरी भागीदार के रूप में भी रजिस्टर्ड है। एसएमसी के अन्य एसोसिएट सेबी और भारतीय रिजर्व बैंक के साथ मंचेंट बैंकर, पोर्टफोलियो मैनेजर के रूप में रजिस्टर्ड है। यह म्यूचुअल फंड डिस्ट्रीब्यूटर के रूप में एएमएफआई (AMFI) में भी रजिस्टर्ड है।

एसएमसी ग्लोबल सिन्डिकेटिड लिमिटेड सेबी (रिजर्व एनॉलिसट) रेगुलेशन 2014 के तहत रिजर्व एनॉलिसट के लिए रजिस्ट्रेशन संख्या INH100001849 के साथ रजिस्टर्ड संस्था है। एसएमसी ग्लोबल सिन्डिकेटिड लिमिटेड या इसके सहयोगियों को सेबी द्वारा अन्य किसी रेगुलेटरी एथॉरिटी द्वारा सिन्डिकेटिड मार्केट/कमोडिटी मार्केट में कारोबार के लिए प्रतिबंधित/निषिद्ध नहीं किया गया है। रिपोर्ट में रिजर्व एनॉलिसटों द्वारा व्यक्त की गई राय केवल सार्वजनिक रूप से प्राप्त सूचनाओं/इंटरनेट आंकड़ों/अन्य विश्वसनीय स्रोतों, जिन्हें सत्य माना जाता है, पर आधारित है। एसएमसी रिपोर्ट में व्यक्त राय या सामग्री की शुद्धता को लेकर कोई आश्वासन नहीं देता है और निवेशकों को सलाह दी जाती है कि निवेश के लिए कोई भी निर्णय करने से पहले बाजार की परिस्थितियों/जोखिमों का स्वतंत्र रूप से मूल्यांकन करें। रिजर्व एनॉलिसट, जिन्होंने इस रिपोर्ट को तैयार किया है, एल्टू द्वारा प्रमाणित किया जाता है कि इस रिपोर्ट में विशेष कमोडिटी के संदर्भ में व्यक्त किया गया विचार/राय उनके निजी स्वतंत्र विचार/राय हैं।

दिसक्लेमर: यह रिजर्व रिपोर्ट अधिकृत प्राप्तकर्ता को व्यक्तिगत सूचना के लिए है और इसका निवेशक के किसी निवेश, विधिक एवं कर संबंधी परामर्श से संबंध नहीं है। यह केवल प्राइवेट सिक्योरिटीज एवं उपयोग के लिए है। यह रिपोर्ट विरिक्त सूचनाओं पर आधारित है लेकिन यह पूरी तरह सही और पूर्ण है, ऐसा जरूरी नहीं और इस पर पूरी तरह भरोसा नहीं किया जाना चाहिए। रिपोर्ट के कन्टेन्ट के आधार पर कोई कार्य नहीं किया जा सकता है। इस रिपोर्ट को एसएमसी से लिखित आज्ञा के बिना किसी भी रूप में नकल एवं किसी भी अन्य व्यक्ति को पुनः वितरण नहीं किया जाना चाहिए। इस सामग्री का कन्टेन्ट सामान्य है और यह न तो पूरी तरह से व्यापक है और न विस्तृत है। इस रिपोर्ट के आधार पर उदाये गये किसी कदम से होने वाली क्षति या नुकसान के लिए न तो एसएमसी और न इसका कोई संबंधी, सहायक, प्रतिनिधि, डॉपरेक्टर या कर्मचारी को उत्तरदायी ठहराया जाना चाहिए। यह कोई व्यक्तिगत अनुमोदन नहीं करता या किसी खास निवेश उद्देश्य, वित्तीय स्थिति या किसी व्यक्तिगत ग्राहक या कॉर्पोरेट या सलाह की जरूरतों को लेकर नहीं चलता है। सभी निवेश जोखिमपूर्ण होते हैं एवं पिछला प्रदर्शन भविष्य के किसी प्रदर्शन की गारंटी नहीं देता है। निवेश की वैल्यू और उससे प्राप्त आमदनी एक निश्चित समय में उपलब्ध कुछ बड़े एवं सूक्ष्म कारकों के बदलाव पर निर्भर कर सकती है। निवेश का निर्णय लेते समय किसी भी व्यक्ति को अपने धिक्के का इस्तेमाल करना चाहिए।

कृपया ध्यान रखें कि हम या हमारा कोई अधिकारी, सहायक, प्रतिनिधि, डॉपरेक्टर या कर्मचारी, जो भी इस रिपोर्ट को बनाने या भेजने में शामिल है उसकी (अ)समय-समय पर किसी भी कमोडिटीज में, जिनका इस रिपोर्ट में जिक्र किया गया है, खरीद या बिक्री, कोई भी पोजिशन हो सकती है और वह इस कमोडिटीज को खरीद या बिक्री कर सकता है या (ब) साथ ही साथ वह इन कमोडिटीज के किसी भी प्रकार के सौदों में और ब्रोकरेज या अन्य प्रकार के प्रतिकार में अथवा बाजार निर्माण में शामिल हो सकता है, (स) इस रिपोर्ट में दिए गये सुझावों और संबंधित सूचनाओं एवं विचारों के संदर्भ में इनका अपना कोई भी निहित स्वार्थ या विचार हो सकता है। सभी विचारों का निपटारा अंतिम रूप से दिल्ली उच्च न्यायालय के न्यायाधीन होगा।